भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 3737

दिनांक 11 अगस्त, 2026 के लिए उत्तर

पशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं

3737. श्री सी. एन. अन्नादुरईः

श्री जी. सेल्वमः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में पशुधन विकास को बढ़ावा देने और पशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) और पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के अंतर्गत कौन-कौन सी प्रमुख पहल की गई है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी), पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी), सचल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमवीयू) और पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों के सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत तमिलनाडु को कितनी सहायता प्रदान की गई है;

(ग) तमिलनाडु में टीकाकरण किए गए पशुधन, तैनात की गई सचल पशु चिकित्सा इकाइयों और सुदृढ़ की गई पशु चिकित्सा अवसंरचना का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा राज्य में रोग निगरानी, पशुधन स्वास्थ्य देखभाल और नस्ल उत्पादकता में सुधार लाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार के पास पशुधन उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए तमिलनाडु में इन कार्यक्रमों के कवरेज बढ़ाने और पशु चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना को सुदृढ़ करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में पशुधन विकास को बढ़ावा देने और पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) और पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के तहत भारत सरकार (GOI) द्वारा की गई प्रमुख पहलें निम्नानुसार हैं:-

i. NLM-EDP के तहत व्यक्तियों, किसान उत्पादक संगठनों (FPO), स्वयं सहायता समूहों (SHG), संयुक्त देयता समूहों (JLG), किसान सहकारी संगठनों (FCO) और धारा 8 कंपनियों को 50% पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह NLM योजना पशुधन और पोल्ट्री के नस्ल विकास, पशु आहार और चारा विकास, अनुसंधान और विकास, पशुधन बीमा और विस्तार पर केंद्रित है।

ii. LHDCP के तहत सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पशुधन रोगों जैसे खुरपका और मुंहपका रोग (FMD), ब्रुसेलोसिस, पेस्टे डेस पेटिट्स रूनिनेंट्स (PPR) और क्लासिकल स्वाइन फीवर (CSF) की टीकाकरण रोकथाम के लिए 100% वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, अन्य पशुधन रोगों के लिए टीकाकरण, उभरते और विदेशी रोगों के नियंत्रण, प्रयोगशाला के सुदृढ़ीकरण, रोग निगरानी, प्रशिक्षण और जागरूकता जैसे राज्य प्राथमिकता वाले कार्यकलापों हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को साझा आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

iii. किसानों के द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने हेतु 245 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (MVU) के संचालन के लिए तमिलनाडु राज्य को साझा आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(ख) चूंकि पशुपालन राज्य का विषय है, इसलिए पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण राज्य के अधिकार क्षेत्र में आता है। हालांकि, पिछले पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP), क्रिटिकल एनिमल

डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (CADCP), राज्यों को पशु रोगों के नियंत्रण के लिए सहायता (ASCAD) और मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (MVU) के तहत तमिलनाडु को प्रदान की गई सहायता का विवरण इस प्रकार है:

i. टीकाकरण के लिए NADCP और CADCP के तहत राज्य को 2,023.84 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।
ii. पशु पहचान के लिए NADCP और CADCP के तहत 61.88 लाख बड़े आकार के ईयर टैग और 144.58 लाख छोटे आकार के ईयर टैग की आपूर्ति की गई।
iii. 245 एमवीयू की खरीद और संचालन के लिए 7,565.36 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
iv. पशुधन स्वास्थ्य से संबंधित राज्य प्राथमिकता वाले कार्यकलापों को लागू करने के लिए, ASCAD के तहत 1667.01 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।
v. टीकाकरण के लिए राज्य को सहायता प्रदान की गई। इस अवधि के दौरान लगभग 8.66 करोड़ टीकाकरण किया गया।

(ग) तमिलनाडु राज्य की रिपोर्ट के आधार पर, वर्ष 2025-26 तथा वर्ष 2026-2027 (दिनांक 5 अगस्त, 2026 तक) के दौरान टीकाकृत पशुधन, तैनात मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों और सुदृढ़ीकृत पशु चिकित्सा अवसंरचना का जिला-वार विवरण **अनुबंध 1 (क, ख और ग)** में दिया गया है।

(घ) उपरोक्त (क से ग) के अलावा, भारत सरकार (GOI), राज्य को रोग निगरानी, पशुधन स्वास्थ्य देखभाल और नस्ल उत्पादकता में सुधार के लिए निम्नानुसार समर्थन कर रही है:

i. रोग निगरानी और अन्य संबंधित कार्यकलापों के लिए केंद्रीय रोग निदान प्रयोगशाला (CDDL), भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI), बरेली, राज्यों की पांच क्षेत्रीय रोग निदान प्रयोगशालाओं (RDDL) को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
ii. पशु रोग निगरानी और अन्य संबंधित कार्यकलापों को पूरा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) संस्थानों, अर्थात् राष्ट्रीय खुरपका और मुंह रोग संस्थान (NIFMD), भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI) बेंगलुरु, आईवीआरआई बरेली और राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान (NIVEDI) बेंगलुरु को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
iii. राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (ICAR-NIHSAD), भोपाल प्रयोगशाला आधारित निगरानी के माध्यम से उभरते और विदेशी सीमा पारीय पशु रोगों की निगरानी करता है।
iv. पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार (GOI), द्वारा विकसित भारत पशुधन पोर्टल की मदद से भी पशु रोगों की निगरानी की जाती है।
v. ICAR- NIVEDI, बेंगलुरु NADRES 2.0 के माध्यम से जिला स्तर पर लगभग दो महीने पहले संभावित पशु रोग जोखिम का पूर्वानुमान लगाता है।
vi. राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) देश भर में देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन, दूध उत्पादन और बोवाइन की उत्पादकता में वृद्धि के लिए कार्यान्वित किया गया है। राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम और इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) तकनीक, जीनोमिक चयन के लिए जीनोमिक चिप, संतति परीक्षण और वंशावली चयन कार्यक्रम तथा बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (MAITRI) को प्रशिक्षित करना और उन्हें सुसज्जित करना इसके प्रमुख घटक हैं।
vii. व्यक्तिगत उद्यमियों, निजी कंपनियों, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), किसान उत्पादक संगठनों (FPO), धारा 8 कंपनियों को अवसंरचना के विकास के लिए 3% ब्याज सबवेंशन प्रदान किया जाता है।

(ङ) पशुपालन राज्य का विषय है। हालांकि, पशुधन स्वास्थ्य देखभाल, पशुधन उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाने के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार (GOI), द्वारा उपरोक्त (क) से (घ) तक की सभी योजनाएं तमिलनाडु सहित पूरे भारत में क्रियान्वित है।

***

अनुबंध-I (क)

वर्ष 2025-26 तथा वर्ष 2026-2027 (दिनांक 5 अगस्त, 2026 तक) तमिलनाडु में किए गए जिला वार टीकाकरण, डेटा भारत पशुधन पोर्टल (राज्य द्वारा अपलोड) के अनुसार

क्र.सं.	जिला का नाम	टीकाकरण (संख्या में)
1	अरियालुर	470791
2	चैंगलपट्टू	674440
3	चेन्नई	83601
4	कोयम्बतूर	669889
5	कुड्डालोर	846550
6	धर्मपुरी	914004
7	डिंडीगुल	800286
8	इरोड	811630
9	कल्लाकुरिची	1022426
10	कांचीपुरम	505826
11	कन्याकुमारी	206671
12	करूर	520826
13	कृष्णागिरी	956651
14	मदुरै	848112
15	मयिलादुथुराई	267135
16	नागापट्टणम	263381
17	नमक्कल	779364
18	पेराम्बलुर	329638
19	पुदुकोट्टई	866954
20	रामनाथपुरम	203853
21	रानीपेट	463151
22	सेलम	1663707
23	शिवगंगा	1009609
24	तेनकासी	442909
25	तंजावुर	1041453
26	नीलगिरी	63338
27	थेनी	396759
28	तिरुवल्लूर	849897
29	तिरुवरूर	750761
30	तिरुचिरापल्ली	1341178
31	तिरुनेलवेली	659087
32	तिरुपथुर	362845
33	तिरुप्पुर	955182
34	तिरुवन्नामलाई	1856771
35	तूतीकोरिन	726167
36	वेल्लोर	518532
37	विल्लुपुरम	1489959
38	विरुधुनगर	712878

अनुबंध-I (ख)

तमिलनाडु में जिला वार परिचालित मोबाइल पशुचिकित्सा इकाइयां

क्र.सं.	तमिलनाडु (जिला वार डेटा)	मोबाइल पशुचिकित्सा इकाइयां (संख्या में)
1	अरियलूर	5
2	चैंगलपट्टू	5
3	कोयंबतूर	6
4	कुड्डालोर	8
5	धर्मपुरी	7
6	डिंडीगुल	8
7	इरोड	10
8	कल्लाकुरिची	6
9	कांचीपुरम	3
10	कन्याकुमारी	2
11	करूर	7
12	कृष्णागिरी	8
13	मदुरै	6
14	मयीलादुथुराई	4
15	नागापट्टणम	4
16	नमक्कल	9
17	पेराम्बलुर	3
18	पुदुकोट्टई	10
19	रामनाथपुरम	8
20	रानीपेट	4
21	सेलम	16
22	शिवगंगा	8
23	तेनकासी	4
24	तंजावुर	8
25	नीलगिरी	1
26	थेनी	3
27	तिरुवल्लूर	6
28	तिरुवरूर	5
29	थूथुकुडी	7
30	तिरुचिरापल्ली	10
31	तिरुनेलवेली	5
32	तिरुपथुर	3
33	तिरुप्पुर	9
34	तिरुवन्नामलाई	12
35	वेल्लोर	4
36	विल्लुपुरम	10
37	विरुधुनगर	11
	कुल	**245**

अनुबंध-I (ग)

राज्य द्वारा प्रस्तुत किए गए डेटा के अनुसार सुदृढ़ पशु चिकित्सा अवसंरचना की संख्या (वर्ष 2021 से वर्ष 2024 तक)

क्र.सं.	जिला	कुल पशु चिकित्सा अवसंरचना (संख्या में)
1	अरियालुर	3
2	चैंगलपट्टू	1
3	चैंगलपेट	1
4	कोयंबतूर	1
5	कुड्डालोर	2
6	धर्मपुरी	3
7	इरोड	4
8	कल्लाकुरिची	4
9	कांचीपुरम	3
10	कन्याकुमारी	1
11	करूर	5
12	कृष्णागिरी	2
13	मदुरै	2
14	मयालादुथुराई	3
15	नमक्कल	4
16	नीलगिरी	4
17	पुदिकोट्टई	3
18	रामनाथपुरम	7
19	रानीपेट	3
20	सेलम	6
21	तेनकासी	4
22	तंजावुर	9
23	थिरुपाथुर	7
24	तिरुवल्लूर	1
25	तिरुवन्नामलाई	11
26	तिरुवरूर	7
27	थूथुकुडी	11
28	तिरुनेलवेली	5
29	तिरुप्पुर	7
30	त्रिची	10
31	वेल्लोर	3
32	विल्लुपुरम	5
33	विरुधुनगर	7